an>

Title: Need to grant affiliation to newly opened colleges under Sir Hari Singh Gaur Sagar Central University in Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) : महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं बुंदेलखंड के पिछड़े और उपेक्षित क्षेत्र की बात यहाँ उठाना चाहता हूँ। जिसमें एक बहुत ही प्रतिष्ठित सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय है, इसको वर्ष 2012 में सेन्ट्रल यूनिवर्सटी बना दिया गया। इन दो वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार ने दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर जिलों में लगभग 13 शासकीय महाविद्यालय खोले और कुछ प्राइवेट खुले। चूँकि सागर केन्द्रीय विश्वविद्यालय बन गया है, यहाँ पर मानव संसाधन मंत्री जी उपस्थित हैं, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि जो सेन्ट्रल यूनिवर्सटी बन जाती है, नोटिफिकेशन के बाद जो कॉलेज बनते हैं, उनको वे संबद्धता नहीं देते हैं। इस पिछड़े क्षेत्र में राज्य सरकार ने तो कोशिश की कि वहाँ महाविद्यालय खुल जाएं, लेकिन संबद्धता न देने के कारण वहाँ के बच्चों का जीरो ईयर होने वाला है। मेरी आपके माध्यम से मानव संसाधन मंत्री जी से प्रार्थना है कि सागर विश्वविद्यालय को इस बात का सन्देश पहुँचायें, ताकि इस वर्ष उन शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों को संबद्धता देकर बच्चों को रेग्युलर होने का मौका दें, ताकि उन गरीब छात्रों का नुकसान न हो। हमारे टीकमगढ़ और सागर के सांसद भी सदन में उपस्थित हैं। मैं सभी की तरफ से मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि आप कृपा करके इसमें संरक्षण दें ताकि हमारे बच्चों का वर्ष न खराब हो।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप दोनों इस विषय के साथ एसोशिएट कर सकते हैं।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल : माननीय मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। मेरी उनसे इस संबंध में प्रार्थना है।

माननीय अध्यक्ष :

डॉ. वीरेन्द्र कुमार और

श्री लक्ष्मी नारायण यादव अपने आपको श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।